Teachingninja.in

Latest Govt Job updates

Private Job updates

Free Mock tests available

Visit - teachingninja.in

RPSC

Previous Year Paper

School Lecturer 2020

Jain Darshan

Teachingninja.in

प्राध्यापक (संस्कृत शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा -2020

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 24
Number of Pages in Booklet : 24

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 08
Sub: Jain Darshan

प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या /
Question Paper Booklet No.

8207337

LSK-02

परीक्षा दिनांक :- 18/12/20
समय :- 09:00 AM To 12:00 Noon

समय : 3.00 घण्टे
Time : 3.00 Hours

PAPER-II

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के पेपर सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है । इसमें कोई भिन्नता हो तो परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । ऐसा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Paper Booklet the candidate should ensure that Question Paper Booklet No. of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same. If there is any difference, candidate must obtain another Question Paper Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल **एक** ही उत्तर दीजिए ।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर पत्रक पर **नीले बॉल प्वाइंट पेन** से गहरा करना है ।
6. OMR उत्तर पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है । किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा ।
8. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।
9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर **5 अंक** कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer **all** questions.
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4**. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN**.
6. The OMR Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. **5 Marks** can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

08-□

Teachingninja.in

1. सर्वज्ञसिद्धि-विधायिका-"सूक्ष्मान्तरित" इतिकारिका कस्याचार्यस्य रचना ?

(1) आचार्य कुन्दकुन्दस्य – प्रवचनसारग्रन्थे

(2) स्वामि-समन्तभद्रस्य – आप्तमीमांसाप्रस्तावे

(3) भट्टाकलङ्कदेवस्य – स्वरूपसम्बोधनपञ्चविंशतौ

(4) विद्यानन्दस्वामिनः – श्लोकवार्तिक ग्रन्थे

2. अविशद – प्रतिभासात्मक प्रमाणानि कति च के च ?

(1) त्रीणि – मति-श्रुतावधीनि

(2) चत्वारि – अवग्रहेहावायधारणा

(3) पञ्च – स्मृति-प्रत्यभिज्ञान-तर्कानुमानागमानि ।

(4) षट् – कृष्ण-नील-कापोत-पीत-पद्म-शुक्ला रूपाणि

3. सर्व-द्रव्य-पर्याय-विषयं सकलम् – इत्यत्र कस्य ज्ञानस्य विवक्षा वर्तते ?

(1) केवल ज्ञानस्य

(2) मनः पर्ययज्ञानस्य

(3) अवधिज्ञानस्य

(4) मतिज्ञानस्य

4. प्रत्यक्षशब्दे 'अक्ष' शब्दस्य विवक्षितोऽर्थः कः वर्तते ?

(1) इन्द्रियाणि

(2) सन्निकर्षः

(3) चक्षुषी

(4) आत्मा

5. "सत्वमेवासि निर्दोषो ....." इत्यादिकारिकायां कस्य सिद्धिः ?

(1) सामान्यसर्वज्ञसिद्धिः

(2) अर्हत्सर्वज्ञसिद्धिः

(3) प्रत्यक्षसिद्धिः

(4) अनुमानसिद्धिः

6. न्यायमते प्रत्यक्षस्य किं लक्षणम् ?

(1) इन्द्रियगोचरं प्रत्यक्षम्

(2) इन्द्रियातीतं प्रत्यक्षम्

(3) ज्ञानाकरणकं ज्ञानं प्रत्यक्षम्

(4) ज्ञानातिरिक्तं ज्ञानं प्रत्यक्षम्

Teachingninja.in

7. "अत्र परोक्षं लक्ष्यम् ....." अस्य वाक्यस्य शेषभाग: क: वर्तते ?

(1) अविशदप्रतिभासत्वं लक्षणम् ।

(2) सन्निकर्षज्ञानं लक्षणम् ।

(3) केवलज्ञानमस्य लक्षणम् ।

(4) प्राप्यकारित्वं लक्षणम् ।

8. स्मृतिज्ञानस्य प्रमाणत्वसाधकं वाक्यं चिनुत ?

(1) आप्तवचनत्वात् स्मृति प्रमाणम् ।

(2) अविसंवादित्वाच्च प्रमाणं स्मृति: ।

(3) आगमवाक्यात् स्मृते: प्रमाणत्वमिति ।

(4) परोक्षत्वात्स्मृते: प्रामाण्यं स्वीकृतम् ।

9. तर्कस्य स्वरूपं ग्रन्थे किं प्ररूपितम् ?

(1) तर्क: साध्य विज्ञानम् ।

(2) साधन ज्ञानं तर्क: ।

(3) अनुमानजन्यं तर्क: ।

(4) व्याप्तिज्ञानं तर्क: ।

10. अन्यथानुपपत्ति-एकलक्षणं किं निर्दिष्टं ग्रन्थे ?

(1) लक्ष्यम्

(2) साध्यम्

(3) साधनम्

(4) व्याप्ति:

11. धर्मी, साध्यं, साधनञ्चैते त्रीण्यङ्गाति कस्य वर्तन्ते ?

(1) स्वार्थानुमानस्य

(2) इन्द्रियज्ञानस्य

(3) प्रत्यक्षज्ञानस्य

(4) आगमज्ञानस्य

12. पाञ्चरूप्यता हेतोर्लक्षणम् केषां मते स्वीकृता ?

(1) मीमांसकानां मते

(2) आर्हतानां मते

(3) सौगतानां मते

(4) नैयायिकानां मते

13. सर्वार्थसिद्धि: कस्य ग्रन्थस्य टीका वर्तते ?

(1) समयसारस्य

(2) तत्त्वार्थसूत्रस्य

(3) द्रव्यसंग्रहस्य

(4) स्वयम्भूस्तोत्रस्य

Teachingninja.in

14. ग्रन्थकारेण मंगलाचरणे इष्टदेवतानमस्कारं किमर्थं विहितम् ?

(1) अर्थोपलब्धये

(2) ज्ञानोपलब्धये

(3) चारित्रोपलब्धये

(4) तद्गुणलब्धये

15. 'मार्ग:' इति पदे एकवचनस्य निर्देश: किमर्थं विहितम् ?

(1) समस्तस्य मार्गभावज्ञापनार्थम् ।

(2) एकस्यैव मोक्षमार्गत्वज्ञापनार्थम् ।

(3) एकतरस्यैव मोक्षमार्गज्ञापनार्थम् ।

(4) सम्यग्दर्शनस्यैव प्राधान्यज्ञापनार्थम् ।

16. अधिगमोपायरूपे के परिगणिता: ?

(1) अर्थालोकौ कारणे

(2) ज्ञानं ज्ञेयञ्च कारणे

(3) प्रमाणनयाश्च कारणानि

(4) प्रमेया: अधिगमस्य कारणभूता:

17. ज्ञानपञ्चके प्रत्यक्षपरोक्षयो: स्पष्टीकरणं विधीयताम् ?

(1) मति-श्रुते / परोक्षे
अवधि-मन: पर्ययकेवलानि / प्रत्यक्षानि

(2) अवधि-मन:पर्यये / परोक्षे
मति-श्रुत-केवलानि / प्रत्यक्षानि

(3) केवलज्ञानम् / परोक्षम्
मतिश्रुतावधि-मन:पर्यायानि / प्रत्यक्षानि

(4) सकल-विकलज्ञानं / परोक्षं
आभिनिबोधादित्रीणि / प्रत्यक्षानि

18. अवग्रहेहावायधारणा सूत्रे कस्य भेदा: वर्णिता: ?

(1) प्रमाणस्य

(2) मतिज्ञानस्य

(3) अवधिज्ञानस्य

(4) मन:पर्ययज्ञानस्य

19. नया: कतिविधा: वर्णिता: सर्वार्थसिद्धौ ?

(1) द्वादशविधा:

(2) चतुर्दशविधा:

(3) पञ्चविधा:

(4) सप्तविधा:

Teachingninja.in

20. "क्षय: आत्यन्तिकी निवृत्ति:" – अस्मिन्वाक्ये कस्य भेदस्य स्वरूपम् निर्दिष्टम् ?

(1) क्षयरोगस्य स्वरूपम् ।

(2) चन्द्रकलानामावस्या तिथे: स्वरूपम् ।

(3) जीवस्यासाधारणभावस्य क्षायिकस्य स्वरूपम् ।

(4) धनरहितावस्थाया: स्वरूपम् ।

21. "जीव-भव्याभव्यत्वानि च" अस्मिन् सूत्रे कस्य भेदा: वर्णिता: ?

(1) पारिणामिक भावस्य

(2) औदयिक भावस्य

(3) क्षायोपशमिक भावस्य

(4) औपशमिक भावस्य

22. "संसारिणो मुक्ताश्च" सूत्रे कस्य भेदा: वर्णिता: ?

(1) औदयिक भावानाम्

(2) उपयोगवतां जीवानाम्

(3) गतिनामकर्मण:

(4) सिद्धानाम्

23. उपपादजन्म केषां भवति ?

(1) नर-पशूनाम्

(2) तिरश्चाम्

(3) सञ्ज्ञीपञ्चेन्द्रियमनुष्याणाम्

(4) देवनारकाणाम्

24. अजीवकाया द्रव्याणि के-के सन्ति ?

(1) धर्माधर्माकाशपुद्गला:

(2) स्पर्श-रस-गन्ध-वर्णा:

(3) नारक-मनुष्य-तिर्यञ्च-देवा:

(4) सामान्य-विशेष-समवायाभावा:

25. "संख्येयाऽसंख्येयाश्च पुद्गलानाम्" सूत्रे 'च' शब्दात् कोऽर्थोऽभिप्रेत: ?

(1) प्रदेशा:

(2) परिणामा:

(3) अनन्ता:

(4) बहव:

26. "सम्यक्त्वं च" इति सूत्रे कस्य कारणता वर्णिता ?

(1) मोक्षमार्गस्य

(2) वैमानिकदेवायुष: आस्रवस्य

(3) दर्शनमोहकर्मण: प्रकृते:

(4) सासादनगुणस्थानस्य

Teachingninja.in

27. ग्रन्थानुसारं व्रतिनः स्वरूपं चिनुत ?

(1) अहिंसको व्रती

(2) संयमिनो व्रती

(3) गृहत्यागी व्रती

(4) निःशल्यो व्रती

28. ग्रन्थानुसारं "स्वापूर्वार्थव्यवसायात्मकं ज्ञानं प्रमाणं" कथं भवति ?

(1) प्रमाणत्वात्

(2) माणिक्यनन्दिवचनात्

(3) आर्हतमताभिमतत्वात्

(4) केवलिप्रज्ञत्वात्

29. "तद् द्वेधा" सूत्रे कस्य भेदवर्णनं विहितम् ?

(1) ज्ञानस्य

(2) जीवस्य

(3) नयस्य

(4) प्रमाणस्य

30. प्रमाणस्य विषयः कीदृशः भवति ?

(1) प्रमाणनयात्मा तदर्थः

(2) सामान्य-विशेषात्मा तदर्थः

(3) मति-श्रुतात्मकः तदर्थः

(4) मोक्ष-मोक्षमार्गश्च तदर्थः

31. 'असम्बद्धे तज्ज्ञानं .....' किं भवति ?

(1) प्रमाणाभासम्

(2) नयाभासम्

(3) तर्काभासम्

(4) हेत्वाभासम्

32. मंगलाचरणे के दव्वे कथिते ?

(1) जीवमजीवं दव्वं दुविहं

(2) पोग्गलकालं दव्वं दुविहं

(3) अप्पा – परमप्पा दुविहं

(4) धम्ममधम्मं दव्वं दुविहं

33. द्वितीय गाथायां वर्णिताः नवाधिकाराः कस्य सन्ति ?

(1) पुद्गलस्य

(2) धर्मद्रव्यस्य

(3) जीवस्य

(4) कालद्रव्यस्य

34. जीवस्य त्रिकाले कतिप्राणाः भवन्ति ?

(1) पंचपाणा (पञ्च प्राणाः)

(2) दोपाणा (द्वौ प्राणौ)

(3) तिपाणा (त्रयः प्राणाः)

(4) चदुपाणा (चत्वारः प्राणाः)

Teachingninja.in

35. दर्शनोपयोग: कतिविध: भणित: ?

(1) द्विविध:

(2) चतुर्विध:

(3) पञ्चविध:

(4) षड्विध:

36. ज्ञानं कति विकल्पकं भवति ?

(1) अष्ट विकल्पकम्

(2) सप्त विकल्पकम्

(3) पञ्च विकल्पकम्

(4) द्विविकल्पकम्

37. व्यवहारनयत: आत्मा केषां कर्त्ता कथित: ?

(1) लोकस्य द्रव्याणाम्

(2) पुद्गलकर्मादीनाम्

(3) घट-पटादीनाम्

(4) आकाशादीनाम्

38. निश्चयनयत: आत्मन: कतिप्रदेशा: सन्ति ?

(1) अनन्तप्रदेशा

(2) दससहस्रप्रदेशा:

(3) संख्यातप्रदेशा:

(4) असंख्यातप्रदेशा:

39. अमूर्तिका जीवद्रव्याणि कति सन्ति ? के च ?

(1) जीवपुद्गलाभावाश्च – त्रीणि

(2) पुद्गल – जीव – विशेष – समवायाभावाश्च – पञ्च

(3) धर्माधर्माकाशकाला: – चत्वारि

(4) जीव: प्रकृतिश्चैतौ – द्वौ

40. अस्तिकायत्वनिष्पादनार्थं कति प्रदेशा: कथिता:

(1) एकप्रदेश:

(2) अप्रदेश:

(3) द्वौ प्रदेशौ

(4) बहुप्रदेशा:

41. कालद्रव्यस्य कायत्वं कथं न स्वीकृतम् ?

(1) एकप्रदेशित्वात्

(2) बहुप्रदेशित्वात्

(3) अनन्तप्रदेशित्वात्

(4) असंख्यातप्रदेशित्वात्

Teachingninja.in

42. आस्रवादय: सप्त कयो: विशेषा: कथिता: ?

(1) धर्माधर्मयो:

(2) जीवाजीवयो:

(3) सन्निकर्ष-संयोगयो:

(4) समवाय-असमवाययो:

43. शुभाशुभ-भाव-युक्ता: पुण्यपापरूपा: के भवन्ति ?

(1) कालाणव: भवन्ति

(2) धर्माधर्माकाशद्रव्याणि भवन्ति

(3) पुद्गला: भवन्ति

(4) जीवा: भवन्ति

44. दर्शनज्ञानोपयोगौ कस्य युगपत् भवत: ?

(1) असंज्ञिपञ्चेन्द्रियजीवस्य

(2) संसारिजीवस्य

(3) केवलिभगवत:

(4) सप्तमगुणस्थानवर्तिजीवस्य

45. आत्मा आत्मनि रत: सति किं भवति ?

(1) परं ध्यानम्

(2) सामयिकम्

(3) संवेग:

(4) प्रतिक्रमणम्

46. तपश्चरणं श्रुताभ्यास: व्रताचरणं चैते सर्वे कस्य साधका: कथिता: ?

(1) मोक्षस्य

(2) निर्जरस:

(3) ध्यानस्य

(4) तत्त्वज्ञानस्य

47. द्विविधमपि मोक्षहेतुं मुनय: कुत्र प्राप्नुवन्ति ?

(1) तपश्चरणे

(2) ध्याने

(3) महाव्रतेषु

(4) समितिषु

48. व्यवहारत: के मोक्षस्य कारणभूता: ?

(1) देवदर्शनं देवपूजाविधि: स्वाध्यायश्च

(2) सामयिक – प्रोषधोपवास – प्रतिक्रमणानि

(3) व्रत – समिति – गुप्तय:

(4) सम्यग्दर्शनज्ञानचारित्राणि

Teachingninja.in

49. केवलज्ञानस्य विषयविस्तार: कियत् निर्दिष्ट: ?

(1) सर्व द्रव्यपर्यायेषु

(2) द्रव्येष्वसर्वपर्यायेषु

(3) पुद्गल-द्रव्येषु

(4) वर्तमानपर्यायेषु

50. संसारिणो मुक्ताश्च कस्य भेदा: ?

(1) अजीवस्य

(2) पापस्य

(3) जीवस्य

(4) संसारस्य

51. भेद-संघातेभ्य: के उत्पद्यन्ते ?

(1) जीवाजीवादय: द्रव्याणि

(2) अणव: स्कन्धाश्च

(3) धर्माधर्मद्रव्ये

(4) कालाणव:

52. अगारी क: कथित: ?

(1) स्थपति:

(2) धनपति:

(3) महाव्रत:

(4) अणुव्रत:

53. शास्त्रादौ परमेष्ठि-गुणस्तोत्रस्य किं प्रयोजनमुक्तं ग्रन्थे ?

(1) परमेष्ठिन: प्रसादात् श्रेयोमार्गस्य संसिद्धिर्भवति ।

(2) परमेष्ठिन: प्रसादात् इष्टसंयोगा वाप्तिर्भवति ।

(3) परमेष्ठिन: प्रसादात् पुत्र-धनादीनां लब्धिर्भवति ।

(4) परमेष्ठिन: प्रसादात् चेत: प्रसाद: भवति ।

54. अज्ञोजन्तुरनीशोऽयमित्यादि कारिका कस्यवचनरूपेण उद्धृता ग्रन्थेऽस्मिन् ?

(1) पाराशरस्य वचनरूपेण

(2) भट्टाकलङ्कदेवस्य वचनरूपेण

(3) महर्षिव्यासस्य वचनरूपेण

(4) जैमिनि महर्षे: वचनरूपेण

55. ईश्वरसिद्धौ प्रदत्त: कार्यत्वात् हेतु: कीदृश: कथित: ?

(1) असिद्ध: हेतु:

(2) विरुद्ध: हेतु:

(3) पूर्वचरहेतु:

(4) अनैकान्तिक: (व्यभिचारी) हेतु:

Teachingninja.in

56. "सम्यग्दर्शनज्ञानचारित्राणि मोक्षमार्गः" इतिसूत्रे बहुवचनान्तप्रयोगस्य क आधारः प्रदत्तः भट्टाकलङ्कैः ?

(1) जीवद्रव्यस्य प्राधान्यात्

(2) सर्वपदार्थ प्रधानत्वात्

(3) आत्महितस्य प्राधान्यात्

(4) मोक्षोपयोगित्वात्

57. 'तत्त्वार्थश्रद्धानं सम्यग्दर्शनम्' – इतिसूत्रे दर्शनपदस्य श्रद्धावगतिः कथं गृहीता ?

(1) सर्वज्ञवचनकारणात्

(2) जैनेभ्य अभिमतत्वात्

(3) आत्महितकारणात्

(4) मोक्षकारणप्रकरणात्

58. सम्यग्दर्शने निसर्गाधिगमयोः भेदः केन कारणेन विहितः ?

(1) बाह्योपदेशापेक्षानपेक्ष भेदात् ।

(2) प्रथमोपशम – द्वितीयोपशम भेदात् ।

(3) सराग – वीतरागसम्यग्दर्शन भेदात् ।

(4) केवलिपादमूलानिवार्यताऽननिवार्यता भेदात् ।

59. 'प्रमाणनमैरधिगम्:' इति सूत्रे प्रयाणपदस्य पूर्व निपातः कथं विहितम् ?

(1) वर्णाधिक्यत्वात्

(2) अभ्यर्हितत्वात्

(3) जिनैर्प्रतियादित्वात्

(4) उमास्वामिवचनात्

60. सन्निकर्षे प्रमाणे स्वीकृते सति एतेषु को दोषः ?

(1) आर्हतैः अस्वीकृतत्वात्

(2) नैयायिकाभिमतत्वात्

(3) सकल-पदार्थ-परिच्छेदाभावात्

(4) सन्निकर्षत्वात्

61. 'अवग्रहेहावायधारणाः' इति सूत्रे अवग्रहस्यादौ ग्रहणं किमर्थमुक्तम् अस्मिन् ग्रन्थे ?

(1) आनुपूर्ण्यमुत्पत्तिक्रमापेक्षात्

(2) मतिज्ञानस्यभेदत्वात् ।

(3) पूर्वरूपसन्धौ प्रयुक्तत्वस् ।

(4) सर्वज्ञवचनत्वात् ।

Teachingninja.in

62. "अर्थसङ्कल्पमात्रग्राही" इति परिभाषा कस्य नयस्य प्ररूपिता ?

(1) संग्रहनयस्य

(2) व्यवहारनयस्य

(3) एवंभूतनयस्य

(4) नैगमनयस्य

63. "अयं जनोनाथ....." इत्यादि कारिकायां जिनेन्द्रस्य कस्य गुणस्य प्रतिपादनं कृतम् ?

(1) यथार्थवाद गुणस्य

(2) वीतरागता गुणस्य

(3) सर्वज्ञता गुणस्य

(4) सर्वेशता गुणस्य

64. आदीपमाव्योमं सर्वेषांपदार्थानां कीदृशः स्वभावः ?

(1) विषमस्वभावः

(2) समस्वभावः

(3) द्रव्यस्वभावः

(4) पर्यायस्वभावः

65. मृतजन्तूनां श्राद्धकरणस्य तुलना ग्रन्थेऽस्मिन् केन सहविहिता ?

(1) मौढ्येन सह

(2) अज्ञान-प्रमादेन साकम्

(3) कपि-भोजनकरणेन साकम्

(4) निर्वाण प्रदीपस्य स्नेहसंवर्धयेत् – इत्यनेन सह

66. लक्ष्मीजन्मसुखं ग्रन्थेऽस्मिन् केन तुल्यमुपमितम् ?

(1) कण्टकाकीर्णमार्गतुल्यम्

(2) विषफलतुल्यम्

(3) दुःखसागरतुल्यम्

(4) हिमवत-पर्वत-तुल्यम्

67. जैनतत्त्वविद्याग्रन्थे करणं कतिविधं प्ररूपितम् ?

(1) द्विविधम्

(2) त्रिविधम्

(3) चतुर्विधम्

(4) पञ्चविधम्

68. "सदेवदत्तो यथा" सूत्रमिदं कस्योदाहरणम् ?

(1) स्मृतिप्रमाणस्य

(2) तर्कप्रमाणस्य

(3) प्रत्यभिज्ञानप्रमाणस्य

(4) आगमप्रमाणस्य

Teachingninja.in

69. सहक्रमभावनियमः इत्यनेन कः प्रतिपादितः ?

(1) प्रागभावः

(2) प्रध्वंसाभावः

(3) अविनाभावः

(4) अन्योन्याभावः

70. व्याप्तेः अपरं नाम किम् ?

(1) प्रत्यभिज्ञानम्

(2) अनुमानम्

(3) तर्कः

(4) अविनाभावः

71. "नास्त्यत्र शीतस्पर्शो धूमात्" सूत्रमिदं कस्योदाहरणम् ?

(1) पूर्वचरहेतोः

(2) उत्तरचरहेतोः

(3) विरुद्धकार्योपलब्धिहेतोः

(4) विरुद्धकारणोपलब्धिहेतोः

72. प्रमाणस्य फलं प्रमाणाद् कीदृक् भवति ?

(1) अव्यति रिक्तम्

(2) भिन्ना भिन्नम्

(3) अविनाभावी

(4) शुभरूपम्

73. "सिद्धः श्रावणः शब्दः" – इति कस्योदाहरणम् ?

(1) सिद्धपक्षाभासस्य

(2) प्रत्यक्षबाधितपक्षाभास्य

(3) अनुमानबाधितपक्षाभासस्य

(4) अनिष्टपक्षाभासस्य

74. "घटमहमात्मना वेद्मि" इति सूत्रे कस्य प्रतिपादनम् ?

(1) ज्ञाने स्वप्रतीतेः

(2) घटज्ञानस्य प्रामाणिकतायाः

(3) आगमज्ञानस्य

(4) अनुमानज्ञानस्य

75. हेतोरूपसंहारः इत्यनेन किं प्ररूपितम् ?

(1) निगमनम्

(2) प्रतिज्ञा

(3) उपनयः

(4) उदाहरणम्

Teachingninja.in

76. विरुद्धनानायुक्ति-प्राबल्य-दौर्बल्यावधारणाय प्रवर्तमानो विचारो को निगदितः ?

(1) आगमज्ञानम्

(2) अनुमानम्

(3) तर्कम्

(4) परीक्षा

77. प्रामाण्यस्योत्पत्ति स्वतएव भवति – इति केषां मतिः ?

(1) नैयायिकानाम्

(2) मीमांसकानाम्

(3) चार्वाकाणाम्

(4) आर्हतानाम्

78. "अनधिगत तथा भूतार्थ-निश्चायकं प्रमाणम्" – इति केषां मान्यता ?

(1) कुमारिल मतानुयायिनाम्

(2) नैयायिकानाम्

(3) सौगतानाम्

(4) सांख्यानाम्

79. यौगाभिमत-प्रत्यक्षप्रमाणस्य लक्षणं किम् ?

(1) निर्विकल्पकं प्रत्यक्षम्

(2) सविकल्पकं प्रत्यक्षम्

(3) इन्द्रियार्थसन्निकर्षः प्रत्यक्षम्

(4) विशदं प्रत्यक्षम्

80. "तदित्याकारा प्रागनुभूत विषया....." का भवति ?

(1) विस्मृतिः

(2) स्मृतिः

(3) ज्ञप्तिः

(4) सुषुप्तिः

81. "अनुभव-स्मृति-हेतुकं सङ्कलनात्मकं ज्ञानं ....." किम् ?

(1) तर्कम्

(2) अनुमानम्

(3) आगमज्ञानम्

(4) प्रत्यभिज्ञानम्

Teachingninja.in

82. धर्मिण: प्रसिद्धि: कतिविधिभि: भवति ?

(1) त्रेधा

(2) द्वेधा

(3) चतुर्धा

(4) पञ्चधा

83. ग्रन्थे दिवौकस्सु विग्रहादिमहोदय: दिव्य: सत्योऽपि कथं न तेषां महत्ता सर्वज्ञत्वञ्च स्वीकृतम् ?

(1) दिवौकस: भोगिन: सन्ति, अतएव न स्वीकृतम् ।

(2) दिवौकस: रागादिमन्त: सन्ति, अतएव न स्वीकृतम् ।

(3) दिवौकस: आर्हता: न सन्ति, अतएव न स्वीकृतम् ।

(4) दिवौकस: संसारिण: चारित्ररहिता: सन्ति, अतएव न स्वीकृतम् ।

84. आप्तवचनादिना जायमानं ज्ञानं किमुच्यते ?

(1) प्रत्यभिज्ञानम्

(2) तर्क:

(3) अनुमानम्

(4) आगम:

85. "आदा णाणपमाणं ....." इत्यनया गाथया क: सिद्धान्त: साधित: ?

(1) आत्मन: सिद्धत्वम्

(2) आत्मन: प्रदेशत्वम्

(3) आत्मन: सर्वगतत्वम्

(4) आत्मन: सौख्यकारणत्वम्

86. "मोहक्खोहविहीणो अप्पणो परिणामो ....." क: अस्ति ? इति ग्रन्थानुसारं निरूपयत ।

(1) समो (साम्यम्)

(2) तवो (तपश्चश्चरणम्)

(3) मोक्खो (मोक्ष:)

(4) संजमो (संयम:)

87. "रयणमिहइंदणीलं दुद्धज्झसियं जहा सभासाए ...." इत्यनया गाथया क: सिद्धान्त: प्ररूपित: ?

(1) वट्टदितह जीव मोक्खपहे (वर्तते तथा जीव: मोक्षपथे)

(2) वट्टदि तहपगासंलोगे (वर्तते तथा प्रकाशं लोके)

(3) वट्टदि तहणाणमत्थेसु (वर्तते तथा ज्ञानमर्थेषु)

(4) वट्टदि तहणाणंसत्थेसु (वर्तते तथा ज्ञानं शास्त्रेषु)

Teachingninja.in

88. ग्रन्थे "मायाचारोत्व इत्थीणं ....." अनेन दृष्टान्तेन कः सिद्धान्तः प्ररूपितः ?

(1) स्त्रीणां व्यवहारः मायाचार प्रपूरितः एव भवति

(2) अर्हन्तावस्थायां क्रियाः रागं बिना कथं भवन्तीति ?

(3) जीवस्य ऊर्ध्वगतिः तथैव स्वाभाविकी भवति ।

(4) सिद्धानां लोकाग्रे स्थितिः तथैव भवति ।

89. "ण पविट्ठोणाविट्ठो णाणी णेयेसु रूवमिवचक्खू" – अस्यां गाथायामुत्तरार्धे कः सिद्धान्तः निरूपितः ?

(1) पेच्छदि समंतदो सो जाणदिसव्वं णिरवसेसं ।

(2) वट्टंते ते णाणे विसेसदो दव्वजादीणं ।

(3) ते हों ति असब्भूदा पज्जाया णाणपच्चक्खा ।

(4) जाणदि पस्सदि णियदं अक्खातीदो जगमसेसं ।

90. भूतार्थमाश्रितः जीवः कः भवति ?

(1) सम्मादिट्ठी (सम्यग्दृष्टिः)

(2) सम्मणाणी (सम्यग्ज्ञानी)

(3) सम्मचारित्तो (सम्यवुचारित्रः)

(4) मोक्खमग्गत्थो (मोक्षमार्गे स्थितः)

91. भूतार्थेनाभिगताः पदार्थाः कति सन्ति–ग्रन्थानुसारं लिखत ।

(1) सप्त

(2) नव

(3) पञ्च

(4) षट्

92. जीवराजा केन णादव्वो (ज्ञातव्यः) सद्दहेदत्वो (श्रद्धातव्यः) अणुचरिदव्वो (अनुचरितव्यः) ?

(1) तच्चकामेण (तत्त्वकामेन)

(2) सुक्खकामेण (सुखकामेन)

(3) मोक्खकामेण (मोक्षकामेन)

(4) दव्वकामेण (द्रव्यकामेन)

93. "मनोविज्ञानं व्यवहारस्य निश्चितं विज्ञानम् अस्ति ।" इति कथनं कस्य अस्ति ?

(1) वुडवर्थ

(2) स्किनर

(3) गैरिसन

(4) वाटसन

Teachingninja.in

94. मनोविज्ञानम् अस्ति –

(1) सामाजिक विज्ञानम्

(2) विधायक विज्ञानम्

(3) शुद्ध विज्ञानम्

(4) प्राकृतिक विज्ञानम्

95. शिक्षामनोविज्ञानं सहायकम् अस्ति

(1) स्वस्य ज्ञानाय

(2) बालकस्य ज्ञानाय

(3) शिक्षणविधिनां चयनाय

(4) सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रियायाम्

96. अधिगम प्रक्रियायां सम्बन्धवादस्य सिद्धान्तस्य प्रतिपादक: अस्ति

(1) हार्नडाइक

(2) वार्नडाइक

(3) थार्नडाइक

(4) कार्नडाइक

97. हिलगार्ड महोदयेन विरचितं पुस्तकम् अस्ति

(1) थ्योरीज ऑफ लर्निंग

(2) प्रेक्टिकल ऑफ लर्निंग

(3) बुक ऑफ लर्निंग

(4) थ्योरीज ऑफ टीचींग

98. ई.ए. किर्कपैट्रीक महोदयानुसारं का अवस्था जीवनस्य सर्वाधिक कठिनकाल: भवति ?

(1) बाल्यावस्था

(2) किशोरावस्था

(3) शैशवावस्था

(4) युवावस्था

99. स्किनर महोदयानुसारं कस्य समीपे निर्णयस्य अनुभवस्य अभाव: भवति ?

(1) किशोरस्य

(2) युवकस्य

(3) वृद्धस्य

(4) प्रौढ़स्य

100. 15 त: 20 वर्ष पर्यन्तम् कीदृश: विकास: उच्चतमस्तरे भवति ?

(1) सामाजिक विकास:

(2) आर्थिक विकास:

(3) मानसिक विकास:

(4) सर्वे

Teachingninja.in

101. बालकस्य सर्वप्रथमं सामाजीकरणं कुत्र भवति ?

(1) परिवारे

(2) समाजे

(3) मन्दिरे

(4) पुस्तकालये

102. "संवेग: व्यक्ते: उत्तेजित दशा अस्ति ।" इति कथनं कस्य अस्ति ?

(1) स्किनर महोदयस्य

(2) वैलेन्टीन महोदयस्य

(3) पी.टी.यंग महोदयस्य

(4) वुडवर्थ महोदयस्य

103. व्यवहारे उत्तरोत्तर सामञ्जस्यस्य प्रक्रिया अस्ति

(1) अनुगम:

(2) अधिगम:

(3) अवगम:

(4) अपगम:

104. अधिगमस्य विशेषता नास्ति –

(1) परिवर्तनम्

(2) विकास:

(3) अवकाश:

(4) अनुकूलनम्

105. प्रभावशाली अधिगमस्य अवरोधक: नास्ति –

(1) सशक्त अभिप्रेरणम्

(2) प्रेरणाया: अभाव:

(3) उद्देश्यहीनता

(4) शिक्षकस्य अदूरदर्शिता

106. क्रो एण्ड क्रो महोदयानुसारं अधिगमस्य क: सिद्धान्त: गणित विज्ञान समाजशास्त्रादि सदृश गंभीर चिन्तन प्रधानविषयाणां अधिगमनाय उपयोगी अस्ति ?

(1) सम्बद्ध प्रतिक्रिया सिद्धान्त:

(2) असम्बद्ध-प्रतिक्रिया सिद्धान्त:

(3) उद्दीपन-प्रतिक्रिया सिद्धान्त:

(4) प्रबलन सिद्धान्त:

107. थार्नडाइक महोदयस्य अधिगम सिद्धान्तस्य नियम: नास्ति –

(1) तत्परताया: नियम:

(2) प्रभावस्य नियम:

(3) अभ्यासस्य नियम:

(4) अभावस्य नियम:

108. शैक्षिक उद्देश्यानां व्यवहाराणां च प्राप्तये किम् साधनम् अस्ति ?

(1) चल दूरवाणी

(2) पाठ्यक्रम:

(3) जङ्गम दूरवाणी

(4) दूरदर्शनम्

Teachingninja.in

109. शिक्षणाधिगमस्य समस्यानां समाधानं मनोविज्ञानस्य कया शाखया भवति

(1) गणितीय मनोविज्ञानम्

(2) सामान्य मनोविज्ञानम्

(3) प्रयोगात्मक मनोविज्ञानम्

(4) शिक्षा मनोविज्ञानम्

110. शिक्षामनोविज्ञानस्य योगदानम् अस्ति –

(1) बालकेन्द्रितम्

(2) पाठ्यवस्तु केन्द्रितम्

(3) उद्देश्य केन्द्रितम्

(4) शिक्षक केन्द्रितम्

111. अधिगमकर्त्तुः कृते अधिगम प्रक्रियायां कस्य स्थानं महत्त्वपूर्णम् अस्ति ?

(1) मस्तिष्कस्य

(2) मुखस्य

(3) पुनर्बलस्य

(4) ज्ञानस्य

112. यस्यां प्रक्रियायां व्यक्तिः स्वस्य विचाराणां भावानां च प्रेषणं अन्यस्मै जनाय करोति सा प्रक्रिया कथ्यते

(1) अधिगमः

(2) पत्रप्रेषणम्

(3) अभिप्रेरणम्

(4) सम्प्रेषणम्

113. सम्प्रेषणम् अस्ति –

(1) एकमार्गी प्रक्रिया

(2) द्विमार्गी प्रक्रिया

(3) अन्यमार्गी प्रक्रिया

(4) अमार्गी प्रक्रिया

114. अध्यापने सम्प्रेषण कौशले कस्य प्राधान्यं वर्तते ?

(1) श्यामपट्टस्य

(2) पुस्तकस्य

(3) अध्यापकस्य

(4) पाठ्यक्रमस्य

Teachingninja.in

115. आऊटपुट डिवाइस अस्ति

(1) की बोर्ड

(2) माऊस

(3) ट्रेकबॉल

(4) मॉनीटर

116. टरमेन महोदयानुसारं अतिश्रेष्ठ बुद्धि बालकस्य बुद्धिलब्धि: भवति

(1) 100 त: 120 पर्यन्तम्

(2) 120 त: 140 पर्यन्तम्

(3) 140 त: 160 पर्यन्तम्

(4) 200 त: अधिकम्

117. येभ्य: कार्यक्रमेभ्य संगणक: स्वस्य संचालनं करोति ते कथ्यन्ते

(1) सॉफ्टवेयर

(2) हार्डवेयर

(3) मॉनीटर

(4) प्रिन्टर

118. 'www' – इत्यस्य पूर्णनाम अस्ति

(1) वर्ड वाईड वैब

(2) वर्ड विथ वैब

(3) वर्ल्ड वाइल्ड वैब

(4) वर्ल्ड वाईड वैब

119. महामारी काले अस्मिन् कीदृशं शिक्षणम् उपयुक्तम् अस्ति

(1) ऑफलाइन शिक्षणम्

(2) ऑनलाइन शिक्षणम्

(3) कक्षा शिक्षणम्

(4) श्यामपट्ट शिक्षणम्

120. सर्वप्रथमं 'वायरस' इति शब्दस्य प्रयोग: केन स्वस्य शोधपत्रे कृत: ?

(1) फायड मोहेन

(2) फ्रेड कोहल

(3) फ्रेड कोहेन

(4) फ्रेड मोहल

121. 'संगणक यन्त्रम्' विद्यते

(1) केवलं दृश्यम्

(2) केवलं श्रव्यम्

(3) अदृश्यम श्रव्यं च

(4) दृश्यं श्रव्यं च

122. अधोलिखितेषु हार्डवेयर नास्ति –

(1) रेम

(2) माउस

(3) कीबोर्ड

(4) लिनक्स मैक

Teachingninja.in

123. प्रमाणात् किं भवति ?

(1) अर्थसंसिद्धिः

(2) धनसम्प्राप्तिः

(3) सुखावाप्तिः

(4) ज्ञानलाभः

124. परीक्षामुखे प्रमाणस्य लक्षणं किं ? निरूपितम्

(1) सन्निकर्षः प्रमाणम्

(2) व्याप्तिः प्रमाणम्

(3) सम्यग्ज्ञानं प्रमाणम्

(4) स्वापूर्वार्थव्यवसायात्मकं ज्ञानं प्रमाणम्

125. को भवति अपूर्वार्थः ?

(1) अध्यवसायोऽपूर्वार्थः

(2) संशयितोऽपूर्वार्थः

(3) अनिश्चितोऽपूर्वार्थः

(4) विपर्यस्तोऽपूर्वार्थः

126. को नाम समारोपः ?

(1) संशयादित्रिकः

(2) आरोपितोजनः

(3) न्यायेन दण्डितः

(4) अपराधीजनः

127. शब्दानुच्चारणेऽपि स्वस्यानुभवनं कथं भवति ?

(1) प्रदीपवत्

(2) अर्थवत्

(3) ज्ञानवत्

(4) शास्त्रवत्

128. प्रमाणस्य प्रामाण्यं कथं भवति ?

(1) स्वतः

(2) परतः

(3) स्वतः परतश्च

(4) शास्त्रात्

129. प्रमाणस्य भेदरूपकं सूत्रम् ?

(1) स्मृति-प्रत्यभिज्ञान-तर्कानुमानागम भेदात् ।

(2) सांव्यावहारिकं पारमार्थिकश्चेति

(3) प्रत्यक्ष-उपमानार्थापत्ति-आगम भेदात्

(4) प्रत्येक्षतर भेदात्

130. किन्नाम प्रत्यक्षम् ?

(1) आत्माधीनं प्रत्यक्षम्

(2) योगि-प्रत्यक्षम्

(3) विशदं प्रत्यक्षम्

(4) सन्निकर्षं प्रत्यक्षम्

Teachingninja.in

131. किन्नाम सांव्यहारिकम् ?

(1) इन्द्रियानिन्द्रियनिमित्तं देशत: सांव्यवहारिकम् ।

(2) सामाजिक व्यवहार-योग्यं सांव्यवहारिकम् ।

(3) विजिगीषु-कथायां व्यवहरति य: स: सांव्यवहारिकम् ।

(4) परोक्ष प्रमाणस्यान्तिमो भेद: सांव्यवहारिकम् ।

132. का स्मृति: ?

(1) अतीतस्य प्रतिवेदनम् एव स्मृति: ।

(2) मतिज्ञानस्य भेद: स्मृतिः ।

(3) संस्कारोद्बोध निबन्धना तदित्याकारा स्मृति: ।

(4) प्रत्यक्ष-प्रदत्तज्ञानं स्मृति: ।

133. परीक्षामुखसूत्र दिशा अनुमानस्वरूपं किं वर्तते ?

(1) हेतु विज्ञानमनुमानम् ।

(2) साधनात् साध्यविज्ञानमनुमानम् ।

(3) कारणफल विज्ञानमनुमानम् ।

(4) सन्निकर्षजज्ञानमनुमानम् ।

134. परीक्षामुखग्रन्थे धर्मिण किं स्वरूपं निरूपितम् ?

(1) सदाचारी धर्मी

(2) गुणग्राही धर्मी

(3) जिनधर्मानुयायी धर्मी

(4) साध्यधर्मविशिष्ट: पक्ष: धर्मी

135. परीक्षामुखसूत्रे अनुमानस्य कति अंगानि, के च ?

(1) द्वे = प्रतिज्ञा, हेतुश्च

(2) त्रीणि = उदाहरणम् उपनय: निगमनश्चेति

(3) चत्वारि = लक्षण, उदाहरणम्, उपनय: निगमनश्चेति

(4) पञ्च = प्रतिज्ञा – हेतु: - उदाहरणम् – उपनय: निगमनश्चेति ।

136. प्रमाणस्य कति फलानि निर्दिष्टानि अस्मिन् ग्रन्थे ?

(1) धनावाप्ति:, वादविजयम्, अनुशासनम् – त्रीणि

(2) लोके प्रतिष्ठा, प्रतिवादि – पराभवश्च – द्वे

(3) अज्ञाननिवृत्ति: हानोयादानोपेक्षाश्च – चत्वारि

(4) मोहोपशम:, मोक्षावाप्ति:, सौख्यलाभ:, सम्यक्त्वं, सित्दत्वञ्च – पञ्च

Teachingninja.in

137. गृहीतग्राहि – धारावाहिकज्ञानस्य प्रामाण्यनिवारणार्थं प्रमाणलक्षणे किं: पदं प्रदत्तम् ?

(1) स्वपदम्

(2) 'अपूर्वम्'

(3) 'अर्थम्'

(4) व्यवसायात्मकम्

138. दर्शनस्य स्वरूपं किम् वर्तते ?

(1) दृश्यतेऽनेनेति दर्शनम् ।

(2) दृष्टि: मात्रं वा दर्शनम् ।

(3) वस्तुस्वरूप प्ररूपकं दर्शनम् ।

(4) हिताहितविवेक प्रदर्शकं दर्शनम् ।

139. दर्शनस्य प्रयोजनं किम् ?

(1) आत्महित-विधानावगमनम् ।

(2) पाण्डित्यवृद्धि:

(3) तर्कणाशक्ति – वर्धनम् ।

(4) वाद – विजयकारकम् ।

140. जैनदृष्ट्यादर्शनेषु आस्तिक-नास्तिकयो: आधारतत्त्वम् ?

(1) अस्ति – नास्ति – विवेचनम् ।

(2) वैदिकम् – अवैदिकम्

(3) आत्मवादी – अनात्मवादी (आस्तिक्यमात्मविश्वास:)

(4) ईश्वरकर्तृत्ववादी – अनीश्वरवादी

141. प्रकरणप्रवृत्ति: कति विधा भवति ?

(1) द्विविधा – स्वार्थिका परार्थिका च

(2) त्रिविधा – उद्देश-लक्षण-निर्देश-परीक्षात्मिका च

(3) चतुर्विधा – प्रमाण-नय-निक्षेप-वचनात्मिका च

(4) पञ्चविधा – मति-श्रुत-अवधि-मन: पर्यय-केवलात्मिका

142. न्यायदीपिका-ग्रन्थोक्तं प्रमाणलक्षणं किमस्ति ?

(1) भगवद्भक्ति – प्रमाणमिति

(2) निर्विकल्पकं ज्ञानं प्रमाणमिति

(3) सन्निकर्ष: प्रमाणमिति

(4) सम्यग्ज्ञानं प्रमाणमिति

Teachingninja.in

143. प्रमाणस्य प्रामाण्यं न्यायदीपिकानुसारं किम् ?

(1) प्रतिभातविषयाव्यभिचारित्वम्

(2) वादे विजयकारकम्

(3) ज्ञानावाप्तिः

(4) प्रभूतद्रव्यलाभदायकत्वम् ।

144. अविसंवादिज्ञानं प्रमाणमिति कस्य मतिः ?

(1) नैयायिकानाम्

(2) भाट्टमतानुयायिनाम्

(3) सौगतानाम्

(4) वैशेषिकाणाम्

145. अनुभूतिः प्रयाणमिति केषां प्रमाणलक्षणम् ?

(1) बौद्धानाम्

(2) प्रभाकरस्य

(3) आर्हतानाम्

(4) नव्य नैयायिकानाम्

146. विशद-प्रतिभासकत्वं नाम कस्य प्रमाणभेदस्य लक्षणम् ?

(1) प्रमाणसामान्यस्य

(2) अनुमानप्रमाणस्य

(3) आगम-प्रमाणस्य

(4) प्रत्यक्षप्रमाणस्य

147. कल्पनापोढमभ्रान्तं प्रत्यक्षमिति केषां मतिः ?

(1) आर्हतानाम्

(2) सौगतानाम्

(3) नैयायिकानाम्

(4) मीमांसकानाम्

148. सांव्यवहारिकं प्रत्यक्षज्ञानं कतिविधं प्ररूपितम् ?

(1) चतुर्विधम् अवग्रहेहावायधारणात्मकम्

(2) त्रिविधम् – प्रमाण-नय – निक्षेपात्मकम्

(3) द्विविधम् – सकलग्राहकं विकलग्राहकञ्चेति ।

(4) पञ्चविधम् – स्मृति – प्रत्यभिज्ञान – तर्कानुमानागममयम् ।

149. पारमार्थिक – प्रत्यक्षस्य द्वौ भेदौ कौस्तः ?

(1) प्रमाणम् नयश्चेति

(2) आगमो – युक्तिश्च

(3) मतिज्ञानं श्रुतज्ञानञ्च

(4) सकलं विक्लञ्चेति

150. सर्वतो वैशद्यं चात्ममात्रसापेक्षमिति केषुवर्तते ?

(1) प्रमाण-नय-निक्षेपेषु ।

(2) उत्पाद-व्यय-ध्रौव्येषु ।

(3) अवधि-मनःपर्यय-केवलेषु ।

(4) स्मृति-प्रत्यभिज्ञान-अनुमानेषु ।

Teachingninja.in

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

Teachingninja.in

Teachingninja.in